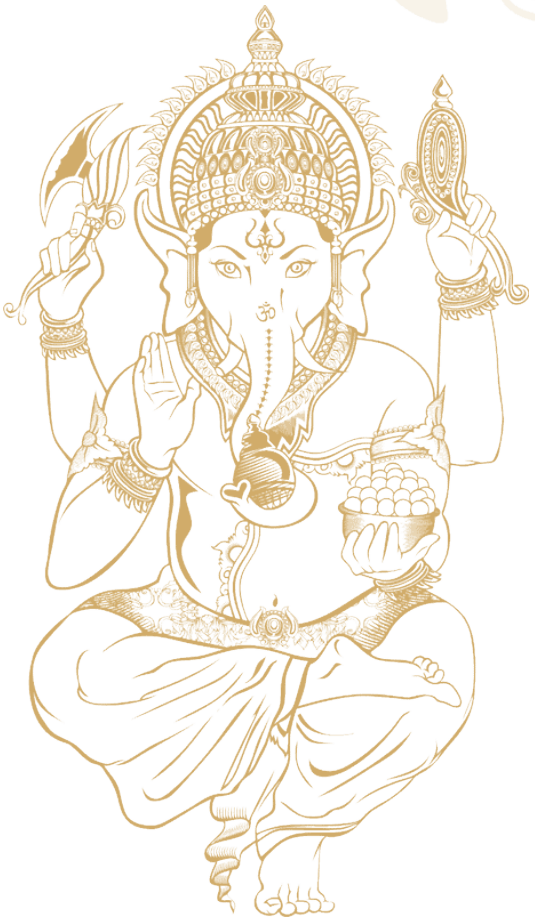

Mr.

30 Oct 1998

10:50 PM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121566502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:50:00 घंटे**
इष्ट	41:58:05 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:55:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:21 घंटे
साम्पातिक काल	01:30:29 घंटे
सूर्योदय	06:02:46 घंटे
सूर्यास्त	17:14:04 घंटे
दिनमान	11:11:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:14:39 तुला
लग्न के अंश	07:00:41 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:00:41	310:19:22	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			तुला	13:14:39	00:59:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	10:59:19	13:55:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	20:08:58	00:35:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	03:33:29	01:21:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	24:38:55	00:02:48	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	13:22:54	01:15:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	05:46:10	00:04:44	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	05:07:07	00:00:31	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:07:07	00:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:01:56	00:00:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:38:56	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:55:26	00:02:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मेष	00:35:10	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:16

लग्न-चलित

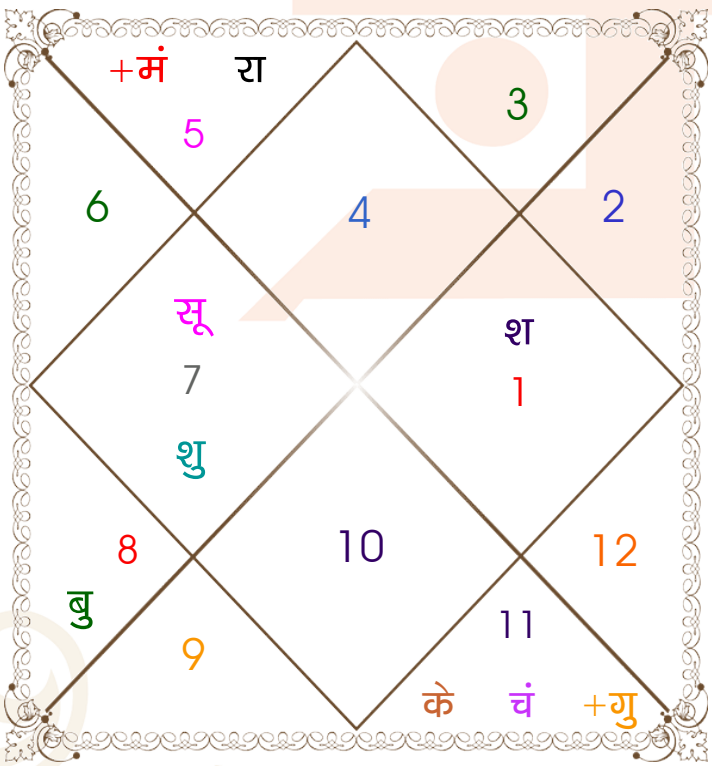

चन्द्र कुंडली

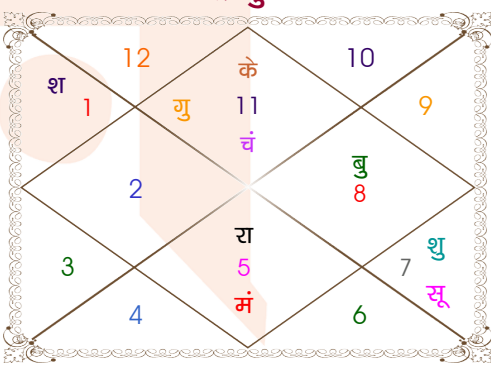

नवमांश कुंडली

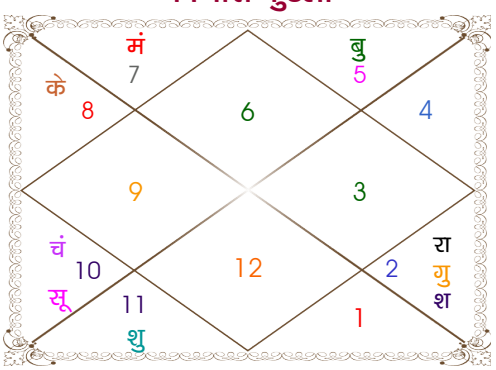

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 1 मास 30 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/10/1998		30/12/2010		30/12/2026		30/12/2045		30/12/2062	
30/12/2010		30/12/2026		30/12/2045		30/12/2062		30/12/2069	
	00/00/0000	गुरु	16/02/2013	शनि	02/01/2030	बुध	27/05/2048	केतु	28/05/2063
	30/10/1998	शनि	30/08/2015	बुध	11/09/2032	केतु	25/05/2049	शुक्र	27/07/2064
शनि	11/12/2000	बुध	05/12/2017	केतु	21/10/2033	शुक्र	24/03/2052	सूर्य	02/12/2064
बुध	01/07/2003	केतु	11/11/2018	शुक्र	20/12/2036	सूर्य	29/01/2053	चंद्र	03/07/2065
केतु	18/07/2004	शुक्र	12/07/2021	सूर्य	02/12/2037	चंद्र	30/06/2054	मंगल	29/11/2065
शुक्र	19/07/2007	सूर्य	30/04/2022	चंद्र	04/07/2039	मंगल	27/06/2055	राहु	18/12/2066
सूर्य	12/06/2008	चंद्र	30/08/2023	मंगल	11/08/2040	राहु	14/01/2058	गुरु	24/11/2067
चंद्र	11/12/2009	मंगल	05/08/2024	राहु	18/06/2043	गुरु	21/04/2060	शनि	01/01/2069
मंगल	30/12/2010	राहु	30/12/2026	गुरु	30/12/2045	शनि	30/12/2062	बुध	30/12/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/12/2069		30/12/2089		30/12/2095		31/12/2105		30/12/2112	
30/12/2089		30/12/2095		31/12/2105		30/12/2112		00/00/0000	
शुक्र	30/04/2073	सूर्य	18/04/2090	चंद्र	30/10/2096	मंगल	29/05/2106	राहु	13/09/2115
सूर्य	30/04/2074	चंद्र	18/10/2090	मंगल	31/05/2097	राहु	16/06/2107	गुरु	05/02/2118
चंद्र	30/12/2075	मंगल	23/02/2091	राहु	29/11/2098	गुरु	22/05/2108	शनि	31/10/2118
मंगल	28/02/2077	राहु	17/01/2092	गुरु	31/03/2100	शनि	01/07/2109		00/00/0000
राहु	29/02/2080	गुरु	05/11/2092	शनि	31/10/2101	बुध	28/06/2110		00/00/0000
गुरु	30/10/2082	शनि	18/10/2093	बुध	01/04/2103	केतु	24/11/2110		00/00/0000
शनि	30/12/2085	बुध	24/08/2094	केतु	31/10/2103	शुक्र	25/01/2112		00/00/0000
बुध	30/10/2088	केतु	30/12/2094	शुक्र	01/07/2105	सूर्य	31/05/2112		00/00/0000
केतु	30/12/2089	शुक्र	30/12/2095	सूर्य	31/12/2105	चंद्र	30/12/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 1 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।